

धेयदधरणीधरप्रवत्यासी ॥ धातासंतसफील्यै
 आद्य ॥ ११ ॥ मातोरंगमचायोमाधो ॥ साधोसुष
 समकीलो ॥ केहंकुंवेरकुलेककृणाकर ॥ गाकर
 चाकरभेलो ॥ आद्य ॥ १२ ॥ पदः ॥ १॥ संपुर्णः ॥ ॥
 रागधुमारलीष्यते ॥ अषंडबंलहोरीषेलीयेहो
 ॥ होमेरेष्यारेषेलीयेसासउसास ॥ अषंड ॥ १ ॥
 रूपरंगरेषावीनासुरती ॥ सुरतनुरतसोहाग
 बलज्यौ ॥ अविगतअकलअवेअवत्यासी ॥ जा
 कोहेसकलपरकास ॥ अषंड ॥ २ ॥ संतअनंतमी
 लेअनुरंगी ॥ संगीसेसमाहावेसबलज्यौ ॥ को
 टीत्रीसत्रीयोसुरविषव ॥ वीरंचीकरतविला
 स ॥ अषंड ॥ ३ ॥ वरणअष्टादशएकभेहे ॥ सतगु
 रुशब्दसमासबलजौ ॥ मुदाकोईरहेननपावे
 रे ॥ आत्मतत्ववीचार ॥ अषंड ॥ ४ ॥ सेहेजानंद
 आनंदघेरमीलके ॥ नीरगुणशब्दविभासब
 लज्यौ ॥ नीगंमचारबाजांवीधीवाजेरे ॥ चंदासु
 रजीत्यपरकास ॥ अषंड ॥ ५ ॥ भारअणारपुष्य
 केरंगा ॥ सातसाहेरकोनीरबलज्यौ ॥ व्योमतत्व
 कीतोकरिपीचकारीरे ॥ दीनीहेस्रीहंकेरेहाथ
 अषंड ॥ ६ ॥ वीनकरसुरतताककेमारी ॥ सस
 सरूपकीसांहाबलज्यौ ॥ केहंकुवेरभीजोहरी

॥ पद ॥ सारोरे ॥ व्यारोलागतहेसांई ॥ अषंड ॥ १ ॥ धुमार
 ॥ १ ॥ चेतनबुलसंगेवेलीयेहो ॥ होमेरेव्यारेरे
 ॥ ८७ ॥ ॥ वेलीयेफागवसंत ॥ चेतनबुलसंगेवेलीयेहो
 १ ॥ थावरजंगमवीश्वचराचर ॥ अनुसुतएक
 रसतारबलज्यो ॥ एसेपुसुसतगुरुएकशीन
 मेरे ॥ मिलविनीसेनीरधार ॥ चेतन ॥ २ ॥ पृथ्वीते
 जपवंननभयांनी ॥ पंचतत्वगुणवीतबलज्यो
 पांचपचीसप्रकृतीईडीदश ॥ अंतसकरणासही
 त ॥ चेतन ॥ ३ ॥ जुमपरपंचपतंगकीयोरंग ॥ अ
 बीलअसतअहंकारबलज्यो ॥ कर्मअनेककुम
 कुमकेसर ॥ ज्ञानपीचकारीभरडार ॥ चेतन
 ४ ॥ धीरजवंतधरीमंनधारण ॥ लौअनुभवनी
 ओटबलज्यो ॥ घुमरगुलालनीभरीभरीमुठी
 कसअवीमासीसुचोता ॥ चेतन ॥ ५ ॥ पुटेअवी
 लपतंगगुलालत ॥ तबउरमीभईस्वांसबलज्यो
 हासजीत्यभईहरीसाथे ॥ आणताअहंक्रतीओ
 त ॥ चेतन ॥ ६ ॥ तबरीजेगुरुरायरसीकवर ॥ गां
 वपरमपदहीनबलज्यो ॥ केहंकुवेरकरुणाम
 येकेवल ॥ रहतसंतआंधीन ॥ चेतन ॥ ७ ॥ पद ॥ २
 अथरागहेलारीनुपदपारंभते ॥ संतोअलषअ
 वन्यासीआयहे ॥ स्वाध्यसबुघटमांई ॥ गुरुगंम